भारत सरकार

रेल मंत्रालय

लोक सभा

29.07.2026 के

अतारांकित प्रश्न सं.1750 का उत्तर

बागपत लोक सभा निर्वाचन क्षेत्र में स्थित रेलवे स्टेशनों का एबीएसएस के अंतर्गत पुनर्विकास

1750. डॉ. राजकुमार सांगवान:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) पिछले तीन वर्षों और वर्तमान वर्ष के दौरान बागपत लोक सभा निर्वाचन क्षेत्र सहित उत्तर प्रदेश में अमृत भारत स्टेशन योजना (एबीएसएस) के तहत पुनर्विकसित किए गए रेलवे स्टेशनों की संख्या का वर्ष-वार ब्यौरा क्या है तथा विभिन्न स्टेशनों पर चल रहे कार्यों की वर्तमान स्थिति क्या है;

(ख) बेहतर यात्री सुविधाएं, सार्वभौमिक पहुंच, मल्टी-मॉडल एकीकरण, ग्रीन इंफ्रास्ट्रक्चर, डिजिटल सुविधाएं, उन्नत प्रतीक्षा कक्ष और बेहतर यातायात परिसंचरण प्रदान करने के लिए सरकार द्वारा क्या कदम उठाए गए हैं/उठाए जा रहे हैं;

(ग) यात्री अनुभव, क्षेत्रीय कनेक्टिविटी और स्थानीय आर्थिक विकास पर इन पहलों के संभावित प्रभाव क्या हैं; और

(घ) पिछले तीन वर्षों और वर्तमान वर्ष के दौरान एबीएसएस के तहत उत्तर प्रदेश के उक्त लोक सभा निर्वाचन क्षेत्र में आने वाले रेलवे स्टेशनों के पुनर्विकास के लिए स्वीकृत धन और संभावित समय-सीमा का वर्ष-वार ब्यौरा क्या है?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (घ) उत्तर प्रदेश में बागपत लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र के रेलवे स्टेशनों पर विकास कार्य अच्छी गति से किए जा रहे हैं, जिसमें अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत मोदीनगर

स्टेशनों का पुनर्विकास भी शामिल है। बागपत लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र के स्टेशनों पर यात्री सुविधाओं में सुधार में महत्वपूर्ण प्रगति हासिल की गई है, जिसका ब्यौरा निम्नानुसार है:

मोदीनगर स्टेशन पर विकास कार्य पूरे हो चुके हैं, जिनमें स्टेशन भवन का सुधार, परिचलन क्षेत्र का सुधार, नया 12 मीटर चौड़ा पैदल पार पुल, लिफ्ट, प्लेटफॉर्म शेल्टर, प्लेटफॉर्म सतह का सुधार, नए प्रतीक्षालय और एक्जीक्यूटिव लाउंज में फर्नीचर को संस्थापित किया गया, शौचालय और दिव्यांगजनों के लिए सुविधाएं शामिल हैं।

खेकड़ा स्टेशन पर प्लेटफॉर्म की सतह को ऊंचा करना, पैदल पार पुल को कवर करने और पेयजल बूथ का कार्य पूरा हो चुका है।

बागपत रोड स्टेशन पर प्लेटफॉर्म की सतह में सुधार, पैदल पार पुल को कवर करने, पेयजल बूथ और ओवरहेड वाटर टैंक का कार्य पूरा हो चुका है।

अलावलपुर - ईदरीशपुर स्टेशन पर रेल स्तर से उच्च स्तर तक प्लेटफॉर्म की सतह को उठाना और प्लेटफॉर्म शेल्टर का कार्य पूरा हो चुका है।

बड़ौत स्टेशन पर ऊपरी पैदल पार पुल को कवर करने और पानी बूथ का कार्य पूरा हो चुका है।

रेल मंत्रालय ने दीर्घकालिक दृष्टिकोण के साथ स्टेशनों के पुनर्विकास के लिए अमृत भारत स्टेशन योजना शुरू की है।

इस योजना में भारतीय रेल के रेलवे स्टेशनों में सुधार लाने के लिए मास्टर योजना तैयार करना और उनका चरणबद्ध कार्यान्वयन शामिल हैं। प्रत्येक स्टेशन की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए मास्टर योजना में निम्नानुसार शामिल हैं:

- स्टेशन और परिचलन क्षेत्रों तक पहुंच में सुधार
- स्टेशन का शहर के दोनों भागों के साथ एकीकरण

- स्टेशन भवन में सुधार
- प्रतीक्षालय, शौचालय, बैठने की व्यवस्था, पेयजल बूथों में सुधार
- यात्री यातायात के अनुरूप अधिक चौड़े ऊपरी पैदल पुल/सबवे की व्यवस्था
- लिफ्ट/स्वचालित सीढ़ियों/रैंप की व्यवस्था
- प्लेटफॉर्म की सतह का सुधार/प्लेटफॉर्म शेल्टर की व्यवस्था
- 'एक स्टेशन एक उत्पाद' जैसी योजनाओं के माध्यम से स्थानीय उत्पादों के लिए कियोस्क की व्यवस्था
- पार्किंग क्षेत्र का विकास
- दिव्यांगजनों के लिए सुविधाएं
- बेहतर यात्री सूचना प्रणाली
- एयर कॉनकोर्स, एक्जीक्यूटिव लाउंज, मल्टी मोडाल एकीकरण, भूसुदर्शनीकरण आदि का प्रावधान

इस योजना में आवश्यकतानुसार, चरणबद्ध और व्यवहार्य रूप से दीर्घकालिक और पर्यावरण अनुकूल समाधान आदि और दीर्घावधि में स्टेशन पर सिटी सेंटर के निर्माण की भी परिकल्पना की गई है। शहरि केंद्रों में स्टेशनों का विकास और पर्यावरण गतिविधियों में वृद्धि से बेहतर यात्रा अनुभव के अलावा स्टेशनों के आसपास आर्थिक गतिविधियों में वृद्धि हुई।

अब तक, इस योजना के तहत विकास के लिए 1340 स्टेशनों की पहचान की गई है, जिसमें बागपत लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र के मोदीनगर स्टेशन सहित 157 स्टेशन उत्तर प्रदेश में स्थित हैं।

अमृत भारत स्टेशन योजना के अन्तर्गत उत्तर प्रदेश में विकास के लिए चिह्नित किए गए स्टेशनों के नाम निम्नानुसार है:

राज्य	स्टेशनों की संख्या	स्टेशनों के नाम
उत्तर प्रदेश	157	अछनेरा, आगरा कैंट, आगरा फोर्ट, ऐशबाग, अकबरपुर जंक्शन, अलीगढ, अमेठी, अमरोहा, आनन्द नगर जंक्शन, अनोला, अयोध्या धाम जंक्शन, आज़मगढ़, बाबतपुर, बछरावां, बदायूँ, बादशाहनगर, बादशाहपुर, बहेड़ी, बहराइच, बालामऊ जंक्शन, बलिया, बलरामपुर, बनारस, बांदा, बाराबंकी जंक्शन, बरेली, बरेली सिटी, बढ़नी, बस्ती, बेल्थरा रोड, भदोही, भरतकुंड, भटनी, भूतेश्वर, बिजनौर बुलन्दशहर, चंदौली मझवार, चंदौसी, चिलबिला, चित्रकूट धाम, कर्वी, चोपन, चुनार जं., डालीगंज, दर्शननगर, देवरिया सदर, धामपुर, दिलदारनगर, इटावा जं., फर्रुखाबाद, फतेहाबाद, फ़तेहपुर, फ़तेहपुर सीकरी, फ़िरोज़ाबाद, गजरौला, गढ़मुक्तेश्वर, गौरीगंज, घाटमपुर, ग़ाज़ियाबाद, ग़ाज़ीपुर सिटी, गोला गोकरननाथ, गोमतीनगर, गोंडा, गोरखपुर, गोवर्धन, गोविंदपुरी, गुरसहायगंज, हैदरगढ़, हापुड, हरदोई, हाथरस सिटी, ईदगाह, इज्जतनगर, जंघई जंक्शन, जौनपुर सिटी, जौनपुर

		जंक्शन, कन्नौज, कानपुर अनवरगंज, कानपुर ब्रिज लेफ्ट बैंक, कानपुर सेंट्रल, कप्तानगंज, कासगंज, काशी, खलीलाबाद, खोरासन रोड़, खुर्जा जंक्शन, कोसी कलां, कुंडा हरनामगंज, लखीमपुर, लालगंज, ललितपुर, लंभुआ, लोहता, लखनऊ (चारबाग), लखनऊ सिटी, मां बेल्हा देवी धाम, प्रतापगढ़ जंक्शन, मगहर, महाराजगंज बिजली पासी, महोबा, मैलानी, मैनपुरी जं., मल्हौर जं., मानकनगर जं., मानिकपुर जं., मरियाहू, मथुरा, मऊ, मेरठ सिटी, मिर्ज़ापुर, मोदीनगर, मोहनलालगंज, मुरादाबाद, मुज्जफरनगर नगीना, नजीबाबाद जं., उरई, पनकी धाम, फाफामऊ जं., फूलपुर, पीलीभीत, पोखरायां, प्रयाग जंक्शन, प्रयागराज जं., पं. दीन दयाल उपाध्याय, रायबरेली जं., राजा की मंडी, रामघाट हॉल्ट, रामपुर, रेनुकूट, सहारनपुर जं., सलेमपुर, स्योहारा, शाहगंज जं., शाहजहाँपुर, शामली, शिकोहाबाद जं., शिवपुर, सिद्धार्थ नगर, सीतापुर जं., सोनभद्र, श्री कृष्णा नगर, सुल्तानपुर जं., सुरेमनपुर, स्वामीनारायण छपिया, तकिया, तुलसीपुर, टूंडला जं., उझानी, ऊंचाहार, उन्नाव जं., उतरेटिया जं., वाराणसी कैंट. वाराणसी सिटी, विंध्याचल, वीरांगना लक्ष्मीबाई, व्यासनगर, जाफराबाद

<u>स्टेशन जहां कार्य पूरे किए गए हैं:</u>

उत्तर प्रदेश में अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत रेलवे स्टेशनों पर विकास कार्य अच्छी गति से किए जा रहे हैं। बागपत लोक सभा निर्वाचन क्षेत्र के मोदीनगर स्टेशन सहित उत्तर प्रदेश में पूरे किये गए स्टेशनों का ब्यौरा निम्नानुसार है:

राज्य	स्टेशनों की संख्या	स्टेशनों के नाम
उत्तर प्रदेश	38	ऐशबाग जंक्शन, अयोध्या धाम जंक्शन, बछरावां, बहेरी, बलरामपुर, बरेली सिटी, बिजनौर, चुनार जंक्शन, डालीगंज, धामपुर, फतेहाबाद, फतेहपुर, गौरीगंज, गोला गोकरननाथ, गोमतीनगर, गोवर्धन, गोविंदपुरी, हाथरस सिटी, ईदगाह आगरा जंक्शन, इज्जतनगर, खलीलाबाद, मैलानी जंक्शन, मोदीनगर, मोहनलालगंज, उरई, पनकी धाम, फाफामऊ जंक्शन, पुखरायां, प्रयाग जंक्शन, रामघाट हॉल्ट, सहारनपुर जंक्शन सलेमपुर, शामली, सिद्धार्थनगर, सुरेमनपुर, स्वामीनारायण छपिया, उझानी, विंध्याचल

अन्य स्टेशनों पर विकास की गतिविधियां भी अच्छी गति से शुरू की गई हैं और कुछ स्टेशनों की प्रगति निम्नानुसार है:

- **हापुड़ स्टेशन: स्टेशन भवन के सुधार, नए प्लेटफॉर्म शेल्टर, प्लेटफॉर्म सतह के सुधार, परिचलन क्षेत्र और पहुंच मार्ग का सुधार कार्य पूरा हो चुका है। 12 मीटर चौड़े पैदल पार पुल का कार्य शुरू किया गया है।**

- **कानपुर सेंट्रल स्टेशन: नए स्टेशन भवन, वाणिज्यिक भवन, विद्युत उपकेंद्र शहर ओर कैंट की ओर के संरचनात्मक कार्य पूरे हो चुके हैं। नए स्टेशन भवन, वाणिज्यिक भवन, विद्युत उपकेंद्र शहर और कैंट की ओर, एयर कॉनकोर्स का संरचनात्मक कार्य, नए प्लेटफॉर्म शेल्टर, प्लेटफॉर्म सतह और भूमिगत पार्किंग में सुधार का कार्य शुरू किया गया है।**

- **लखनऊ (चारबाग) उ.रे स्टेशन: दूसरे प्रवेश द्वार पर नए स्टेशन भवन का संरचनात्मक कार्य पूरा हो गया है। नए स्टेशन भवन, कॉनकोर्स, 10 मीटर चौड़े पैदल पार पुल का फिनिशिंग कार्य, द्वितीय प्रवेश द्वार पर परिचलन क्षेत्र का विकास और मुख्य प्रवेश द्वार पर परिचलन क्षेत्र में सुधार कार्य शुरू किया गया है।**

- **नगीना स्टेशन: नए स्टेशन भवन का निर्माण, प्लेटफॉर्म सतह में सुधार, नए प्लेटफॉर्म शेल्टर, परिचलन क्षेत्र में सुधार, पार्किंग और नए 12 मीटर चौड़े पैदल पार पुल का कार्य पूरा हो चुका है। लिफ्ट संस्थापन का कार्य शुरू कर दिया गया है।**

- **प्रयागराज जंक्शन स्टेशन: सिविल लाइन्स की ओर से स्टेशन भवन का संरचनात्मक कार्य, रेल डाक सेवा भवन, पार्सल भवन, दो आगमन ब्लॉक, 2 विद्युत उपकेंद्र और सतह पार्किंग में सुधार पूरा हो चुका है। स्टेशन भवन, रेलवे डाक सेवा भवन, पार्सल भवन और विद्युत उपकेंद्र, शहर की ओर बेसमेंट पार्किंग, एयर कॉनकोर्स और नए प्लेटफॉर्म शेल्टर का अंतिम कार्य शुरू कर दिया गया है।**

इसके अलावा, भारतीय रेल में प्रतीक्षालय, सवारी डिब्बा संकेतक बोर्ड, रेलगाड़ी संकेतक बोर्ड, परिचलन क्षेत्र, पार्किंग, पहुंच मार्ग आदि सहित स्टेशनों का विकास/पुनर्विकास/उन्नयन/आधुनिकीकरण एक सतत और निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है और इस संबंध में निर्माण कार्य परस्पर प्राथमिकता और निधियों की उपलब्धता के अध्यधीन

आवश्यकतानुसार किए जाते हैं। स्टेशन का विकास/पुनर्विकास/उन्नयन/आधुनिकीकरण स्टेशन की कोटि/अवस्था/संभाले जाने वाले यातायात आदि के आधार पर किया जाता है।

भारतीय रेल भारत सरकार के "सुगम्य भारत मिशन" या 'सुगम्य भारत अभियान' के तहत विकलांग व्यक्तियों (दिव्यांगजनों) और कम गतिशील यात्रियों के लिए अपने रेलवे स्टेशनों को सुगम्य बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम, 2016 के अनुपालन में, "दिव्यांगजनों और कम गतिशील यात्रियों के लिए भारतीय रेल के रेलवे स्टेशनों तक पहुंच और रेलवे स्टेशनों पर सुविधाओं संबंधी दिशानिर्देश" परिपत्रित और भारत के राजपत्र में अधिसूचित किए गए है। इन दिशानिर्देशों में दिव्यांगजनों और कम गतिशीलता वाले यात्रियों के लिए सुविधाएं यथा प्रवेश रैम्प, सुगम्य पार्किंग, कम ऊंचाई वाले टिकट खिड़की/सहायता बूथ, शौचालय, पेयजल बूथ, रैम्प/लिफ्टों के साथ सब-वे/पैदल पार पुल, ब्रेल साइनेज सहित मानक प्रदर्श-व्यवस्था और दृष्टि अशक्त लोगों के लिए स्पर्श्य मार्ग आदि की व्यवस्था की गई है।

रेलवे स्टेशनों का विकास/उन्नयन जटिल प्रकृति का होता है जिसमें यात्रियों और रेलगाड़ियों की संरक्षा शामिल है और इसके लिए दमकल विभाग, धरोहर, पेड़ों की कटाई, विमानपत्तन संबंधी स्वीकृति इत्यादि जैसी विभिन्न सांविधिक स्वीकृतियों की आवश्यकता होती है। इनकी प्रगति जनोपयोगी सेवाओं को स्थानांतरित करने, (जिनमें जल/सीवेज लाइन, ऑप्टिकल फाइबर केबल, गैस पाइप लाइन, पावर/सिगनल केबल इत्यादि शामिल हैं), अतिलंघन, यात्री संचलन को बाधित किए बिना रेलगाड़ियों का परिचालन, रेलपथ एवं उच्च वोल्टेज बिजली लाइनों के निकट सान्निध्य में किए जाने वाले कार्यों के कारण गति प्रतिबंध आदि जैसी ब्राउन फील्ड संबंधी चुनौतियों के कारण भी प्रभावित होती है और ये कारक कार्य के समापन समय को प्रभावित करते हैं। इसलिए, इस स्तर पर कोई समय सीमा इंगित नहीं की जा सकती है।

सामान्यतः अमृत भारत स्टेशन योजना सहित अन्य योजनाओं के अंतर्गत रेलवे स्टेशनों के विकास/उन्नयन/आधुनिकीकरण का वित्तपोषण योजना शीर्ष-53 'ग्राहक सुविधाएँ' के अंतर्गत

किया जाता है। योजना शीर्ष-53 के अंतर्गत आबंटन और व्यय का ब्यौरा क्षेत्रीय रेल-वार रखा जाता है, न कि रेलवे स्टेशन-वार या राज्य-वार। उत्तर प्रदेश राज्य पांच क्षेत्रीय रेलों अर्थात् पूर्व मध्य रेलवे, उत्तर मध्य रेलवे, उत्तर रेलवे, पूर्वोत्तर रेलवे और पश्चिम मध्य रेलवे के क्षेत्राधिकार में आता है। इन क्षेत्रों के लिए, पिछले तीन वित्त वर्ष और चालू वित्त वर्ष के लिए 15,988 करोड़ रु. का आबंटन किया गया है, जिसमें से अब तक 12,126 करोड़ रु. (जून, 2026 तक) का व्यय उपगत किया गया है।

*****